

**Shri A. P. Jain:** Sir, this anomaly must be clarified. Is it the total population of the State, as Mr. Tyagi has said, on the number of voters as the Finance Minister says? It is the total population of the State. (*Interruptions*).

**Shri Tyagi:** We have lost three seats—it is not a joke—on account of the Minister.

**Mr. Speaker:** The only complaint is that the hon. Minister should see that this programme is applied uniformly and the reduction also proceeds simultaneously at the same rate.

**Shri P. R. Patel:** Sir, I want to know whether those who attended this family planning conference were above the age of implementing family planning or below the age of implementing family planning. (*Interruptions*.)

**Mr. Speaker:** Order, order. Next question.

### आयुर्वेद और एलोपैथी की चिकित्सा पद्धति

\*५२४. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या स्वास्थ्य मन्त्री यह बताते हैं कि कौन-कौन से विभाग :

(क) क्या आयुर्वेद और एलोपैथी की चिकित्सा पद्धति के पाठ्यक्रम के बारे में कोई निर्णय किये गये हैं;

(ख) क्या स पद्धति से शिक्षित बी० आई० एम० ए० और ए० एम० बी० एस० चिकित्सकों पर भी इसका कोई प्रभाव पड़ेगा;

(ग) क्या सरकार के इस निर्णय के विरोध में कोई जापान मिले हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो क्या सरकार का विचार अपना निर्णय बदलने का है ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० व० स० राजू) : (क) और (ख). केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद की अक्टूबर, १९६२ को हुई बैठकी बढक में यह सिफारिश की

गई थी कि आयुर्वेद की चिकित्सा विशुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति पर ही विकसित की जाय और सके पाठ्यक्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सा के विषयों को किसी भी रूप अथवा भाषण में सम्मिलित नहीं किया जाये। सिफारिशों के आशर पर सरकार ने केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद द्वारा निर्दिष्ट रूपरेखा के अनुसार शुद्ध आयुर्वेदिक शिक्षा योजना तैयार करने के लिए एक शुद्ध आयुर्वेदिक समिति की स्थापना का है। एसा आशा नहीं की जाता है कि इस नई योजना से बी० आई० एम० ए० और ए० एम० बी० एस० चिकित्सकों पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

(ग) केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद की सिफारिशों के मेजरिटी पक्ष और कुछ विपक्ष में जापान मिले हैं।

(घ) जो नहीं।

[ (a) and (b). At the last meeting of the Central Council of Health held in October, 1962 it was recommended that the practice of Ayurveda should be developed on purely Ayurvedic lines and the subjects of modern medicine in any form or language should not be included in the course. In pursuance of this recommendation a Shuddha Ayurvedic Committee has been set up by Government to prepare a Shuddha Ayurvedic Scheme of Education on the lines indicated by the Central Council of Health. It is not expected that the new scheme will effect BIMS/AMBS practitioners.

(c) Some memoranda mostly for and some against, have been received relating to the recommendations of the Central Council of Health.

(d) No, Sir.]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्रीमन, मैं यह जानना चाहता हूँ कि आयुर्वेद और एलोपैथी की मिली जुली चिकित्सा पद्धति के भारत वर्ष में कितने कालिज थे। और जब उन कालिजों में शिक्षित स्नातक और वह चिकित्सा पद्धति देश में बड़ी लोकप्रिय हो रही थी तो

ऐसी क्या कौन सी नाइयाँ आ गयीं आपने मार्ग में कि जो कालिज इतना भारी बन्द करने के बाद जोते गए, वे उतनी आधुनिक बन्द करने का निर्णय करना पड़ा ?

**स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :** आयुर्वेद के जो डॉक्टर थे उनका ता शुरु से ही न मिली जूनी पद्धति से विशेष था और फिर जो लोग इन मिश्रित कालिजों में से निकले वे देखने में यह आता कि वह अधिकतर माडर्न मेडिसिन को दबाएँ इस्तेमाल करते थे, आयुर्वेद को दबाएँ इस्तेमाल नहीं करते थे। और उन लोगों की तरफ से जो इन कालिजों से पास होकर निकले थे जगह ब जगह यह रिजर्वेशन होने लगे कि हमारे लिए कंडेक्ट कोर्स तैयार किया जाए ताकि हम लोग भी एम० बी० बी० एस० हो सकें। तो यह नब देख कर प्लानिंग कमीशन ने निर्णय किया कि हकीकत में इन मिश्रित शिक्षा प्रणाली के कालिजों से आयुर्वेद को हानि पहुँच रही है और इस तराके का बदलना चाहिए।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** मेरी अपनी जानकारी है कि इन आयुर्वेद और ऐलैबरी की सम्मिलित कार्य वाले कालिजों से पढ़ कर निकले हुए स्नातकों की संख्या देश में ५० हजार है। मैं जानना चाहता हूँ कि जब सरकार यह निर्णय लेने जा रही थी तो क्या उतने उनके प्रतिनिधियों को भी बुलाकर उनकी राय जानी या उनकी राय जाने बिना ही निर्णय ले लिया ?

**डा० सुशीला नायर :** उनकी राय जानने की जरूरत नहीं समझी गयी।

**श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या स्वास्थ्य मंत्री महोदय को पता है कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को ऐंनोपैथिक पद्धति के साथ मिलाने से आयुर्वेद की लाभ था और आपने उसको किन्हीं स्वार्थों के दबाव में आकर खत्म कर दिया ?

**अध्यक्ष महोदय :** उनकी राय अलाहिदा है।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** सवाल का उत्तर नहीं आया।

**अध्यक्ष महोदय :** उन्होंने जवाब दिया कि उनकी राय में इससे आयुर्वेद को नुकसान था, यह कहते हैं कि फायदा था। अब इसकी बहस के लिए तो आप अलाहिदा मांग कर सकते हैं। उनकी जो राय थी वह तो उन्होंने दे दी।

**Shri Maurya:** May I know how many hospitals and Government dispensaries are run in the country without any doctor?

**Mr. Speaker:** That is a different thing altogether.

**Shri A. T. Sarma:** May I know whether the Government is prepared to utilise the services of graduates of Ayurveda under the integrated course in this emergency?

**Dr. Sushila Nayar:** So far as the emergency requirements of the military are concerned, they are not prepared to use these graduates. So far as the requirements of the State Governments are concerned, in some places, they have used them in the place of junior doctors in the primary health centres.

**श्री कछवाय :** मैं जानना चाहता हूँ कि इस समय भारतवर्ष में ऐसे मिले जुले कितने कालिज हैं और उन पर सरकार की और से कितना खर्चा किया जाता है ?

**डा० सुशीला नायर :** मैं उनकी संख्या और खर्च के बारे में नहीं बता सकूँगी क्योंकि ये कालिज राज्य सरकारों द्वारा चलाए जाते हैं।

**श्री राम सहाय तिवारी :** अभी मंत्री जी ने कहा कि आयुर्वेद के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने इन कालिजों का विरोध किया। मैं

जानना चाहता हूँ कि क्या ऐलोपथी के विद्यार्थियों ने भी इसका विरोध किया था कि आयुर्वेद को ऐलोपथी के साथ नहीं मिलाना चाहिए ?

**डा० सुशीला नायर :** जो ऐलोपथी के यानी माडर्न मेडिसिन के कालिजों में पढ़ते हैं उनको इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है कि शुद्ध आयुर्वेद चलाया जाए या मिश्रित चलाया जाए ।

**Shri Tyagi:** May I know whether in the Ayurvedic colleges training is given in anatomy and surgery also?

**Dr. Sushila Nayar:** Anatomy and physiology had been included in the course in these so-called mixed colleges. But the vaidyas on the Panel on Ayurveda, that was called by the Planning Commission in May last year, do not want to include anatomy and physiology because their contention is that when they learn these subjects they lose respect for and faith in Ayurveda, and we certainly are not running these colleges to produce inferior types of doctors.

#### Auction of land in New Delhi

+

{ Shri P. C. Borooah:  
\*525. { Shri S. M. Banerjee:  
{ Shri Daji:

Will the Minister of Works, Housing and Rehabilitation be pleased to state:

(a) whether nearly 6,000 square yards of land in Diplomatic Enclave, New Delhi was auctioned by Government on the 18th February, 1963; and

(b) if so, at what price?

**The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Rehabilitation (Shri P. S. Naskar):** (a) and (b). 22 plots of land of various sizes were auctioned at a total cost of Rs. 24,57,000.

**Shri P. C. Borooah:** May I know when this land was acquired by Government, at what cost and how much amount was spent for its development?

**The Minister of Works, Housing and Rehabilitation (Shri Mehr Chand**

**Khanna):** This land is a part of Delhi and must have been in the possession of Government for a long time. Development took place ten or twelve or fifteen years ago when this colony was developed which is now the Diplomatic Enclave or Chanakyapuri.

**Shri P. C. Borooah:** May I know whether some land has been under unauthorised occupation because of which it has not been possible to develop that land? May I know to what extent this is correct, and what steps Government are taking or are going to take in the matter?

**Mr. Speaker:** That would be a different thing altogether.

**Shri A. P. Jain:** Taking the value of land at the time of the establishment of the Diplomatic Enclave at the acquisition rates, what profit have Government made on the sale of these 34 plots, and do Government consider that this profit is unconscionable?

**Shri Mehr Chand Khanna:** There is no question of any profit. The land was developed a long time ago, and it has been auctioned in different phases, and the prices not only in Delhi but all over the country have risen.

**Shri A. P. Jain:** My question has not at all been answered. It was what they spent and what they earned out of it.

**Mr. Speaker:** The answer is that they have not spent anything.

**Shri A. P. Jain:** They have not spent anything on development at all?

**Mr. Speaker:** The land was there; and the property belonged to Delhi. That is what the answer is.

**Shri A. P. Jain:** My question was very specific. If the value of the land is calculated at the acquisition rates, then what is the profit that they have made? Whether they possessed the land for a hundred years or two hundred years is quite immaterial.

**Mr. Speaker:** The hon. Member can do that accounting himself.